কৈ কৈ শিকা: নিম্ন প্ৰাথমিক স্তৰত ভাষা আৰু লিখিব পঢ়িবৰ সমৰ্থ হোৱাৰ বাবে

অসমীয়া (হিন্দীৰ সৈতে)
কমেণ্টেৰী: প্ৰাথমিক স্তৰৰ এই শ্ৰেণীটোত শিক্ষক গৰাকীয়ে ছাত্ৰ-ছাত্ৰীসকলক ইজনে সিজনৰ ভাল গুণসমূহৰ বিষেয় প্ৰকাশ কৰিবলৈ দিয়ে। যাতে তেওঁলোকে নতুন বৰ্ণনাত্মক শব্দ ব্যৱহাৰ কৰিব পাৰে। সকলোবোৰ ছাত্ৰ-ছাত্ৰীকে যাতে জড়িত কৰিব পাৰে তাৰ বাবে তেওঁ বিভিন্ন ভাষাৰ প্ৰয়োগ কৰিছে। **শিক্ষার্থীসকল**: নমস্তে, নমস্তে। **শিক্ষয়িত্রী**: নমস্তে। **শিক্ষার্থীসকল**: अस्सलाम वालेकुम। **শিক্ষয়িত্রী**: वालेकुम अस्सलाम, प्रणाम, बैठ जाइए। **শিক্ষার্থীসকল**: Thank you, madam. কমেণ্টেৰী: শেষৰ পাঠটোত শ্ৰেণীটোত প্ৰকৃতিৰ গুণাৱলী বৰ্ণনা কৰি এটা কবিতা পাঠ কৰা হৈছিল। শিক্ষক গৰাকীয়ে কবিতাটো পুনৰ নিৰীক্ষণ আৰম্ভ কৰিছে। **শিক্ষয়িত্রী**: पहले तो आप प्रकृति की खूबियाँ बताइये। **শিক্ষার্থী ১:** हम बताएँ? **শিক্ষয়িত্রী**: और कोई बताएगा? और भी कुछ है प्रकृति में? **শিক্ষার্থী ২**: Yes, ma'am, सुन्दर। **শিক্ষয়িত্রী**: किससे? **শিক্ষার্থী ২**: फूल से। **শিক্ষয়িত্রী**: एक और सीख भी मिलती है? **শিক্ষার্থীসকল**: खुशबू। **শিক্ষয়িত্রী**: खुशबू और मुस्कुराने की। ठीक। और भी कुछ है प्रकृति में? जिससे... **শিক্ষার্থী ৩**: Yes, ma'am... **শিক্ষয়িত্রী**: हाँ बताओ, बताओ बेटा। **শিক্ষার্থী ৩**: Ma'am, सागर से, ma'am, हमें गहराई की सीख मिलती है।

কমেণ্টেৰী:

মানুহৰ গাত থকা বিভিন্ন গুণসমূহৰ বিষয়ে ক'বলৈ শিক্ষকে ছাত্ৰ-ছাত্ৰীক কৈছে।

शिक्षयित्री: हमने बात कर ली है, प्रकृति पर। वैसे ही, क्या इन्सानों में भी खूबियाँ होती हैं?

शिक्षार्थीसकल: Yes, ma'am...

शिक्षयित्री: इन्सानों में कौन-कौन सी खूबियाँ होती हैं?

शिक्षार्थी ४: Ma'am, ईमानदारी की खूबियाँ होती हैं।

शिक्षयित्री: हाँ, ईमानदारी की...

शिक्षार्थी ४: और ma'am, सच्चाई की।

शिक्षयित्री: हाँ, और दूसरी खूबी कोई और बताएगा?

शिक्षार्थीसकल: Yes, ma'am...

शिक्षयित्री: शाबाश! शाबाश!

कल हमने देखा था, रोशनी जो है, पहले डर रही थी; डर रही थी?

शिक्षार्थीसकल: Yes, ma'am...

शिक्षयित्री: बाद में, उसने फिर हिम्मत करके... बोला। फिर कैसी लड़की हुई ये?

शिक्षार्थीसकल: हिम्मतवाली...

शिक्षयित्री: हिम्मतवाली। इसका गुण है? इसका गुण है, हिम्मती।

शिक्षार्थी १: Ma'am, जैसे हमारे घर कोई मेहमान आता है, उसको ma'am, ma'am, बढ़िया-बढ़िया पकवान भी बना कर खिलाते हैं, ma'am.

शिक्षयित्री: उसके लिए एक शब्द कौनसा प्रयोग करेंगे? हिन्दी में क्या कहते हैं? अतिथि सत्कार।

शिक्षार्थी १: अतिथि सत्कार।

शिक्षयित्री: और उर्दू में कहते हैं? मेहमाननवाज़ी।

शिक्षार्थी १: मेहमाननवाज़ी। और English में?

शिक्षयित्री: ये भी एक गुण है।

शिक्षार्थी १: Ma'am, English में?

শিক্ষয়িত্রী: English में? English में, मेहमाननवाज़ी को कहते हैं, hospitality.

শিক্ষার্থী ১: Hospitality.

কমেণ্টেৰী:

তাৰপাছত শিক্ষকজনে দলগত ক্ৰিয়া-কলাপৰ জৰিয়তে প্ৰতিজন ছাত্ৰ-ছাত্ৰীকে অংশগ্ৰহণ কৰিবলৈ উৎসাহিত কৰিছে। ইজনে সিজনৰ সু-গুণসমূহ আলোচনা কৰিবলৈ তেওঁলোকে বিশেষণৰ ব্যৱহাৰৰ অভ্যাস কৰিছে।

শিক্ষয়িত্রী: अब हम लोग एक काम करेंगे। सब लोग मिल के, चार-चार का group बनाएँगे बच्चे।

কমেণ্টেৰী:

শিক্ষকে দলবোৰৰ প্ৰতিজনকে আলোচিত হোৱা গুণৰ এটা হয় নে নহয়, সুধিছে।

শিক্ষয়িত্রী: सहमति बनानी है, कि आपके हर साथी में कौनसी खूबी है। सबको अपने बारे में तीन-तीन अच्छी बातें सुनने को मिलेंगी। ठीक है? अब क्या होगा उसके बाद?

हर साथी की बताई गई - तीन में से एक खूबी पर, उदाहरण देते हुए, सहमति बनानी है।

अब बात करो आपस में। अपनी अपनी खूबियों पर बात करो।

শিক্ষার্থী ২: तुम इनकी खूबी बता, अब तुम इनकी खूबी बता, और हम तुम्हरी तीनों की खूबी...।

শিক্ষার্থী ৫: तुम्हारी खूबी का है?

শিক্ষয়িত্রী: तुम इनके बारे में बताओ। तुम्हें ये कैसी लगती है?

শিক্ষার্থী ৫: Ma'am, अच्छी।

শিক্ষয়িত্রী: शांत रहती है? चुप रहती है, हाँ? ये भी एक खूबी हो सकती है।

শিক্ষার্থী ৬: गहराई है अपने मन माँ, हम पढ़ना सोचत रही हैं, यह गहराई है अपने मन माँ, और तुम बताओ। और तुम बताओ।

কমেণ্টেৰী:

আনকি আটাইতকৈ মনে মনে থকা ছাত্ৰ-ছাত্ৰীসকলৰ কিছুমানেও তেওঁলোকৰ মতামত প্ৰকাশ কৰিবলৈ আৰম্ভ কৰে।

শিক্ষার্থী ৭: एक बोलने की खूबी, है ना? एक सच्चाई की खूबी।

শিক্ষার্থী ৮: बस।

শিক্ষার্থী ৭: अब शालिनी, तुम बताओ?

শিক্ষার্থী ৮: मैं बर्तन माँझती हूँ...

শিক্ষার্থী ২: ये बर्तन माँझती है, अब तुम का...

শিক্ষার্থী ৪: देखो, तुम सच्चाई, तुम्हारे मन माँ गहराई है। तुम्हारे मन माँ सच्चाई है। तुम्हारे मन माँ अच्छाई है।

শিক্ষার্থী ৯: और?

শিক্ষার্থী ৪: अब तुम बताओ।

শিক্ষার্থী ১: तुम्हरे मन माँ चतुराई है...

শিক্ষার্থী ৯: हाँ, चतुर...

শিক্ষার্থী ১: तुम्हरे मन माँ... रुको तो, तुम्हरे मन माँ होशियारी है।

শিক্ষার্থী ৯: हाँ...

কমেণ্টেৰী:

ছাত্ৰ সকলে কাগজৰ প্লেটত লিখি সেইবোৰ প্ৰদৰ্শন কৰিছে।

শিক্ষয়িত্ৰী: अपना नाम लिखिए, और ये सबके लिए gift है।

कोई बहादुर होगा, बहादुरी का चित्र बना दो। सब चित्र बनाइए।

কমেণ্টেৰী:

এই কাৰ্যাৱলী সম্পাদন কৰিবলৈ বিশেষ গুণাৱলীৰ বৰ্ণনা থকা গল্প সৃষ্টিৰ যোগেদিও আগবঢ়াই নিয়াৰ চেষ্টা কৰিব পাৰি। সকলোবোৰ ছাত্ৰ-ছাত্ৰীয়ে তেওঁলোকৰ ধাৰণা আৰু দৃষ্টিভংগী প্ৰকাশ কৰাৰ বাবে কি কি ধৰণৰ সুযোগৰ সৃষ্টি আপুনি কৰিব পাৰে?